दृष्टि The Vision

drishti

ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF/19(JS)–ESY-**E3**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Bhoor Singh meena **Mobile Number:** ____________

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** AWAKE-19 / F-24

Center & Date: Mukharji Nagar Delhi **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 3811578

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: **125 × 2 = 250**

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: **125 × 2 = 250**

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

खंड–A / SECTION–A

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।
   Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.
2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।
   Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.
3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।
   The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.
4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।
   India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

खंड–B / SECTION–B

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।
   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.
2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।
   Ideals in politics are required as well as neglected.
3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।
   Equals should be treated equally and unequals unequally.
4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।
   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–A / SECTION–A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।
Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.

2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।
Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.

3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।
The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.

4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।
India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

"अन्नदाता का उद्धार किसी दया मे नही बल्कि नवाचार मे है।"

उपर्युक्त वाक्यांश भारतीय किसानो की समस्या और उसके समाधान मे नवाचार की भूमिका को प्रदर्शित करता है। वर्तमान समय मे भारतीय कृषक गरीब के दौर से गुजर रहा है, कृषि ही उसकी गरीबी का कारण बन रही है। उसकी आय सीमित है। कृषि मे लागत की अधिकता और उत्पादन मे कमी के साथ उत्पादित कृषि उत्पादो के उचित मूल्य मे कमी इस समस्या का कारण बना हुआ है। अनेक कारणों के साथ एक प्रमुख कारण है कृषि मे नवाचार का अभाव जिसकी वजय से कृषि लाभकारी नही हो पा रही है।

नवाचार एक ऐसी प्रणाली है जिसमे नये तरीको, तकनीको, विधियो का प्रयोग कर किसी भी कार्य की दक्षता, उसकी गुणवत्ता को उच्च गुणा बढाया जा सकता है। इसी प्रकार कृषि की उत्पादन, उत्पादकता एवं उसकी लाभकारी बनाने मे सहायक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हो सकता है।

भारतीय कृषि मे अनियमितताऐं अधिक है क्योंकि यह मानसून पर निर्भर करती है, जिसकी अनिश्चतता इसको प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। इसी अनियमितता से कृषि उत्पादन कभी अत्यधिक होता है तो कभी कम। कृषि मे सिचाई सुविधाओ की कमी के कारण सिचाई मे किसानो की लागत अधिक आती है साथ ही दक्षता के अभाव के कारण सिंचाई मे बाढ़ सिंचाई की अधिकता पाई जाती है।

इसके साथ ही बीज, रासायनिक उर्वरको मे गुणवत्ता की कमी तथा इनके प्रयोग के ज्ञान का अभाव होने के कारण इसका पर्यावरण एवं मृदा पर नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलता है।

इन ~~निर्गत~~ ~~आगतो~~ कृषि के ~~निर्गत~~ इनपुट लागतो के अतिरिक्त कृषको के समक्ष ~~अ~~ कृषि मे उत्पादित फसल के सही मूल्य ना मिलना सबसे बड़ी समस्या है जो उनकी गरीबी का कारण बनाता है। विपणन केन्द्रो, खाद्य संरक्षण आदि मे नवाचारी प्रवृत्ति के अभाव के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कृषि मे किसानो को लाभ नही हो पाता है।

इन उपर्युक्त समस्याओ का समाधान किसी दया से ना होकर इनके समाधान हेतु किये गये उपायो पर निर्भर करता है। इसमे कृषि का नवाचार सबसे प्रमुख समाधान है।

कृषि मे नवाचार हेतु किसानो को सर्वप्रथम कुशल, शिक्षित एवं दक्ष बनाने पर बल दिया जायेगा। उनकी दक्षता के परिणामस्वरूप उनको कृषि कार्यो की नई-नई विधियो से अवगत कराया जाये। इस हेतु कृषि मे शोध एवं अनुसंधान को बढावा दिया। कृषि मे उद्यमशीलता को बढावा दिया और कृषि की पद्धतियो को बदलकर उनको कम लागत पर अधिक उत्पादन योग्य बनाया जाये।

इस हेतु खाद, बीज रासायनिक उर्वरक आदि के अनुसंधान एवं नवाचार को बढावा दिया जाये इससे इनकी गुणवत्ता बढेगी जो उत्पादन को बढायेगी इससे किसानो की लागत कम होगी और कृषि को लाभकारी बनाया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कृषकों की वर्तमान समस्या कृषि उत्पादों पर उचित कीमत ना मिलना। इस हेतु किसानों में नवाचार को बढ़ावा दिया जाए तथा वे स्वयं ही अपने कृषि उत्पादों को ना केवल घरेलू बाजार में उपलब्ध कराया जाए। इस हेतु उनको तकनीकी दक्षता, खाद्य प्रसंस्करण के तरीके सिखाये जाए तथा उनको स्वयं ही कृषि उत्पादों का मूल्य को बढ़ाकर लाभ कमाने की प्रवृत्ति बढ़े।

नवाचार से जिस प्रकार सेवा क्षेत्र और विनिर्माण क्षेत्र लाभकारी बने हुए उसी प्रकार कृषकों को भी लाभकारी बनाया जा सकता है। यदि विश्व के विकसित देशों की कृषि का आकलन कर तो पायेंगे कि उनकी कृषि में नवाचारी तरीको से उसको लाभकारी बनाया गया है, जिसके कारण वहाँ के किसानों की स्थिति सम्पन्न है। उनका जीवनस्तर भी उच्च है।

वर्तमान समय में सरकार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

द्वारा किसानो की आय को दुगुना करने हेतु विभिन्न योजनाओ का क्रियान्वयन किया जा रहा है। परन्तु इनके उचित अनुपालन हेतु इनमे नवाचार प्रवृति को बढावा दिया जाए।

~~कृषि~~ किसानो का उद्धार विभिन्न राजनीतिक लाभ हेतु सरकारो द्वारा जारी की गई योजनाओ एवं नीतियो से नही होता जैसे ~~सरकारे~~ विभिन्न राज्य सरकार द्वारा किसानो का किया गया ऋण माफ। ~~इससे~~ इस प्रकार की दया से उनका विकास नही हो सकता। इस दया से उनको केवल अल्पकालीन राहत मिल सकेगी ना कि दीर्घकालीन।

किसानो की स्थिति को सुधारने मे नवाचार ही प्रभावी कदम होगा। इसको बढाने हेतु कृषि मे शिक्षा पद्धतियो को बढावा देना, कृषि शिक्षा मे नवाचार को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। इस हेतु हाल ही मे भारत सरकार द्वारा कृषि विश्वविद्यालयो, वैज्ञानिक संस्थानो, * भारतीय कृषि एवं शोध परिषद की दक्षता हेतु विभिन्न कार्यक्रमो का संचालन किया है जिससे कृषि मे नवाचार बढेगा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत जैसे विकासशील देश मे कृषि नवाचार को बढ़ा पाना कोई आसान कार्य नही होगा। इसके समक्ष इसे कई चुनौतियो का सामना करना पड़ेगा जैसे - किसानो की अधिकांश संख्या अशिक्षित होना, भूमि से संबंधित आकड़ो की अनुपलब्धता, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मे सरकारी व्यय की कमी, कृषि मे निजी निवेश का अभाव, कृषि मे तकनीकी एवं मशीनीकरण की सीमित पहुंच, भारत मे अनुकूल कृषि एवं सहकारी कृषि पद्धतियो की प्रवृत्ति का कम पाया जाना, कृषि विपणन मे नवाचार की कमी इत्यादि।

इन उपर्युक्त चुनौतियो के समाधान हेतु विभिन्न किसान सहायता केन्द्र, डी.डी कृषिदर्शन चैनल आदि के माध्यम से किसानो को शिक्षित किया जाये। भारतीय युवाओ को कृषि मे रुझान बढाने हेतु सरकार द्वारा रेडो (RBAVY) जैसी योजनाओ का प्रभावी क्रियान्वयन, निजी निवेश के प्रोत्साहन हेतु सरकारी प्रयास को बढावा दिया जाये ताकि कृषि मे नवाचार को बढावा मिले और इसको लाभकारी बनाया जाये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः इस प्रकार भारत जैसे कृषि प्रधान देश जहाँ लगभग 86% किसान सीमांत एवं लघु है। उसमें कृषि का नवाचार किसानों के लिए उद्धारक का काम करेगा। इसके ~~लिए~~ हमें निरंतर प्रयास करने चाहिए

परन्तु किसानों के उद्धार हेतु हमें अन्य प्रयासों जैसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम-किसान योजना, पीएम आशा योजना, सिंचाई योजना, E-NAM, APMC के साथ साथ किसानों हेतु चलाई जा रही अन्य योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

इसके साथ ही किसानों की आय को दुगुना करने हेतु सरकार की सप्तसूत्रीय रणनीति का प्रभावी क्रियान्वयन, कृषि के संबद्ध क्षेत्रों को प्रोत्साहन देकर उनमें भी नवाचार को बढ़ावा दिया जाए तो किसानों का उद्धार किया जा सकता है। अतः इस प्रकार ~~किसी~~ सच ही है कि –

"किसानों का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है!"

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–B / SECTION–B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।
   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.
2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।
   Ideals in politics are required as well as neglected.
3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।
   Equals should be treated equally and unequals unequally.
4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।
   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

"समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए और असमान के साथ असमान"

अनुच्छेद -14 (ii) भारतीय संविधान

उपर्युक्त वाक्यांश भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार में समानता के अधिकार की तार्किक अभिव्यक्ति करता है। इसके अंतर्गत विधी के समान संरक्षण की अवधारणा प्रस्तुत होती है। जिसमें समान व्यक्तियों के साथ समान व्यवहार तथा असमान के साथ व्यवहार की बात कही गयी है; जिसके अंतर्गत जो असमानता की बात की गई है, यह असमानता तार्किकपूर्ण एवं प्राकृतिक न्याय के अनुकूल हो, इसे ~~निम्न~~ एक छोटी सी कहानी से समझा जा सकता है -

" एक पिछड़े हुऐ गांव मे राम और श्याम नाम के दो बचपन के मित्र रहते थे तथा वे एक ऐसे स्कूल मे पढते थे जिसका शिक्षा का स्तर निम्न था। राम के पिता नही होने के उसे अपने परिवार की आजीविका भी चलानी पड़ती थी। वही दूसरी ओर उसका मित्र श्याम आगे की पढ़ाई शहर के अच्छे स्कूल मे करने गया। राम की शिक्षा बडी मुश्किल से हो पाई। इसके बाद दोनो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

एक ~~प्रतियोगिता~~ प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होते हैं, तो राम को बार-बार असफलता का मुँह देखना पड़ता है क्योंकि उसकी शिक्षा का स्तर निम्न है था। इसलिए राम को विशेष सुविधा देकर उसे सफल बनाया गया। जिससे उसका जीवन स्तर सुधरा।"

इस कहानी में राम को दी जाने वाली विशेष सुविधा तार्किकता पूर्ण एवं प्राकृतिक न्याय के अनुकूल थी। क्योंकि समान प्रतियोगिता में शामिल होने उनका शिक्षा स्तर अलग-अलग था।

इसी प्रकार महान राजनैतिक विचारक वॉल्स ने अपने न्याय सिद्धान्त में इसी तार्किकतापूर्ण विभेद पर बल देकर समाज में समानता के साथ साथ सामाजिक न्याय की स्थापना की जा सकती है।

इसी संदर्भ में भारतीय संविधान के अनुच्छेद-16(3), 16(4) में शिक्षा एवं ~~आर्थिक~~ सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण तथा अनुच्छेद 15(3), 15(4) में बच्चों एवं महिलाओं के विकास के लिए किये गये प्रावधान

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

भी इसी अवधारणा को प्रस्तुत करते हैं।

एक लोकतांत्रिक तथा ~~जनकल्याणी~~ जनकल्याणकारी राज्य में यह विभेद न्याय स्थापना के लिए न्यायपूर्ण माना जाता है। इसी संदर्भ में भारतीय समाज की बात की जाये, तो इसमें एक वर्ग जिसे वर्षों से शिक्षा, समान की मुख्यधारा एवं विकास सुविधाओं से दूर रखा गया है, तो यह वर्ग सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़ होने के कारण समाज की मुख्य धारा में जुड़ने हेतु स्वयं को असक्षम पाता है।

इसी उद्देश्य हेतु भारतीय संविधान सभा में भारतीय संविधान के अंतर्गत इस तार्किकपूर्ण विभेद को प्राकृतिक न्याय के अनुकूल मानते हुऐ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15 तथा अनुच्छेद 16 में राज्य को इस तार्किकता पूर्ण विभेद के लिए अनुमति दी गई और इसे प्राकृतिक न्याय के अनुकूल माना गया।

इसी प्रकार महिलाओं को भी विशेष सुविधाएँ दी गई। भारत के

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

स्थानीय शासन मे महिलाओ की भागीदारी बढाने हेतु उनको आरक्षण की व्यवस्था की गई ताकि वे भी अपने न्याय का विकास करने मे सक्षम हो और समाज की मुख्य धारा से जुड सके।

इस तार्किकतापूर्ण विभेद के बारे ~~किसी~~ एक विद्वान ने कहा "कर्मी-कर्मी न्याय की स्थापना के लिए अन्याय का सहारा लेना पड़ता है।"

अर्थात न्याय स्थापना के लिए हमे इस तरह का भेदभाव करना पडता है और इसी भेदभाव को अभिव्यक्ति देने अन्याय के रूप मे की है परन्तु इस अन्याय को भी न्यायिक माना है।

वर्तमान समय मे इसी प्रकार का व्यवहार भारत के आर्थिक क्षेत्र मे भी देखने को मिलता है, जिसके अंतर्गत बडी कम्पनिया, अन्तर्राष्ट्रीय, बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के इस युग मे छोटे, लघु एवं मध्यम उद्योगो को बढावा देने हेतु सरकार द्वारा उनको

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कुछ विशेष सुविधाएं जैसे सब्सिडी, ऋण प्रदान पर ब्याज, व्यापारिक प्रतिस्पर्धा हेतु कर मे छूट इत्यादि। इस प्रकार इनको दी जाने वाली विशेष ~~सुविधा~~ प्रोत्साहन सुविधा की इसी अवधारणा को प्रस्तुत करती है परन्तु यह आर्थिक विकास के लिए न्यायपूर्ण है।

इसी प्रकार विश्वस्तर पर बढ़ते पर्यावरण एवं जलवायु संबंधी मुद्दों पर इनके समाधान की जिम्मेदारी हेतु विकसित एवं विकासशील देशों मे किया गया विभेद असमान के साथ असमान व्यवहार को ~~प्रतिबिं~~ प्रतिबिम्ब करता है, जैसा कि क्योटो प्रोटोकॉल-1997 तथा पेरिस सम्मेलन मे इनको कार्बन के उत्सर्जन को कम करने हेतु दी गई विशेष जिम्मेदारी। जिससे जलवायु परिवर्तन की समस्या पर निजात पाया जाए।

एक जनकल्याणकारी राज्य का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों का विकास करना होता है। परन्तु समाज का गरीब एवं पिछड़ा वर्ग इस विकास की दौड़ मे स्वयं को शामिल करने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मे स्वयं को असक्षम पाता है, इसलिए ~~जनकल्याणकारी~~ जनकल्याणकारी राज्य द्वारा उनकी इसी असक्षता को दूर करने हेतु उनको विशेष सुविधाऐ उपलब्ध करवाई जाती है। उनको उपलब्ध करवाई यह विशेष सुविधा सामाजिक न्याय के अनुकूल तार्किक भेदभाव पर आधारित है।

भारत के संदर्भ मे इस विभेदनकारी न्याय को स्थापित करने हेतु कई चुनौतियो का सामना करना पड़ता। इसके अन्तर्गत असमान के साथ किया गया असमान व्यवहार कभी कभी विरोध का कारण बन जाता है तथा इसको राजनीति मुद्दा बनाकर इसके व्यवहारिक रूप मे बाधा उत्पन्न की जाती है, जो प्राकृतिक न्याय की अवधारणा के अनुकूल ~~है~~ है।

हाल ही कई राज्यो मे बढ रही आरक्षण की मांग इसी का उदाहरण है। वही दूसरी ओर जो वर्ग इसमे सक्षम हो गया है कि उसको विशेष सुविधा की कोई ~~अब्ली~~ जरूरत नही

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

है, वह भी ~~कि~~ इसका लाभ उठा रहा है। इससे इस विभेद में दक्षता तार्किकता, विवेकशीलता और न्याय की अवधारणा का अभाव दिखाई पड़ता है।

इस हेतु किसी क्षेत्र चाहे राजनैतिक, आर्थिक हो या सामाजिक प्रत्येक क्षेत्र में समान के साथ समान और असमान के साथ असमान व्यवहार को तार्किक बनाकर प्राकृतिक न्याय की स्थापना पर बल दिया ताकि लोकतांत्रिक एवं जनकल्याणकारी राज्य का लक्ष्य पूरा हो सके।

भारतीय संविधान सभा की प्रारूप समिति के ~~सदस्य~~ अध्यक्ष डा. बी.आर अम्बेडकर ने संविधान लागू करते समय कहा

" हम इस संविधान को लागू कर एक ऐसे समाज में प्रवेश कर रहे हैं जो सामाजिक एवं आर्थिक विषमताओं से भरा हुआ। इसलिए ऐसे समाज में जब तक राजनैतिक लोकतंत्र की स्थापना नहीं की जा सकती तब तक की सामाजिक एवं आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना नहीं की जाये। "

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसीलिए इस विषमता को दूर करने हेतु हमे विभेदपूर्ण न्याय की अवधारणा का अनुसरण करना होगा जिसमे कमजोर को ज्यादा प्रोत्साहन देकर उसे भी समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जाए।

अतः निष्कर्षतः कहा जाता है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14(1) मे अपनाई गई इस अवधारणा से वर्तमान प्रौद्योगिकी, आधुनिक तथा मशीनयुग मे समाज के पिछड़े वर्ग को साथ लाने मे सहायक सिद्ध हो सकता है। यद्यपि पिछले सात दशक मे यह अवधारणा काफी हद तक सफल रही और भारतीय समाज की प्रकृति बदलने मे सहायक रही परन्तु इस तार्किक पूर्ण विभेदन को राजनीतिक मुद्दा ना बनाकर इसे समाज के विकास, प्राकृतिक न्याय के अनुकूल बनाया जाए तो समाज की गतिशीलता को बढ़ावा मिल सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation